अमृतवेले 5 बजे 11-5-68 ओमशान्ति आत्माभिमानी हो ?

अमृत वेले के समय शिव बाबा के ब्रह्मा मुखद्वारा अनमोल महावाक्य :-

जो शिव के पुजारी हैं वह हाथ उठावें। इस जन्म में अनुभव क्या कहते हैं? जो शिव का पूजा करते तो कब ऐसा दिल में आता था कि शिवलिंग को नाक भाको पहनें। प्यार किया जाता है ना। मालूम है प्यार किया जाता है ? इसमें क्या होता है कि हम जाकर शिव बाबा को प्यार करें। ऐसी कशिश होती है? प्यार कैसे करें। जब बाप कोई शरीर में हो। प्यार की कशिश तो होती है परन्तु प्यार कैसे कर सकते हो। तो कह सकते हैं ओ बाबा। बाप कहेंगे ओ बेटे। गोत है तुम्हीं से सुनूं, तुम्हीं से बैठूं, तुम्हीं से सभी कुछ तुम अभी जानते हो कि बाबा से ज्ञान लेते हैं। कितनी निश्चय बुद्धि चाहिए तो बाबा को याद करो। फिर या विकर्माजीत विकर्म विनाश नहीं हो सकते। बाबा बच्चों को कहते हैं जो बच्चे सुनते हैं तो वह कहते हैं हां बाबा के याद विकर्माजीत विकर्म विनाश हो नहीं सकते। यही पतित-पावन है। जो बच्चे बच्चे कहते रहते हैं। कितनाद्दू आते हो। क्या साधु के पास? सन्यासी के पास? किसके पास आये हो। जो मुझे याद करते हैं मैं भी उनको याद करता हूं। क्योंकि वह पावन बनते जाते हैं। और जैसे मैं ज्ञान का सागर हूं वैसे वह भी बनते जाते। भला वह कौन है जो सृष्टि के आदि मध्य अन्त का नालेज सुनाये। मूल बात है याद की। इसको योग कहा जाता है। अभी बाप स्वयं आत्माओं को कहते हैं कि बाप को याद करो। याद करो। जो तमोप्रधान बन पड़े हैं वे प्रधान बनेंगे। यह ज्ञान है कि हम बाबा से राजभाग पावेंगे। हम बाबा के साथ घर जावेंगे। पढ़ाते हैं सभी बस और तो कोई बातें याद नहीं करनी चाहिए। अच्छा टाईम हो गया है बच्चों का। वहां बैठ कर थकते जब बैठ कर थकते हैं तो फिर बाप के साथ चक्र लगाते हैं। बाप को जरूर याद करना है। उठते हैं बैठते वह क्या कहते हैं बाप को याद करो तो विकर्माजीत बनेंगे। याद करो। याद करो। याद करो। तो निहाल जावेंगे। सभी दुःखों से बेड़ा पार हो जावेगा। और कल्प2 तुम्हारा बेड़ा पार होगा। तो बेड़ा पार करने वाले को नहीं भूलना चाहिए। बाप ऐसे तो कभी नहीं कहते हैं एक जगह बैठो। उठते, बैठते बाप को याद करो। घर कहां आते हो। याद करते हो, चिट्ठी लिखते हो शिव बाबा के पास जाते हैं। इसमें यह नोट्स आदि भी कर दरकार नहीं। मनुष्य तो लिखते हैं। कलम पुसिल तो जन्म जन्मान्तर उठाई। अभी इसकी जरूरत है क्या 84 जन्मों के राज को समझ कर बाप से मिले। अभी लिखने का रहा ही क्या है। बहुत लिखा। बहुत पढ़ा। तो सभी भूल जाने का है। यहां क्या रखा है। पावनदुनिया में रखा है या शान्तिधाम में कुछ रखा है। या दुनिया में कुछ रखा है। तो शान्तिधाम और सुखधाम को याद करो। यहां क्या रखा है। दूसरी सभी बातें जो को है सभी भूल जाओ। देह सहित सभी कुछ भूल कर बस एक बाप के साथ घर जाना है। घर जाना है। याद करना। अच्छा बच्चों को गुडमार्निंग और नमस्ते।

अमृत वेले 5 बजे 12-5-68

अमृत वेले के अनमोल महावाक्य :- शास्त्रों में लिखा है बाप आते हैं तो सभी का पाप हर करते हैं तुम शिव बाबा को याद कर के अपनी पाप हर करते। बाकी ऐसे नहीं कि बाप के आने से पाप निकल जाते यह गलत है। बाप को याद करना है। ऐसे नहीं कि बाप को याद करने से तुम बच्चों का पाप भस्म हो जाते हैं। अभी जो कहते हैं। ऐसे नहीं कि इस समय बाप सिखलाते हैं लेकिन इसमें भी जितना2 सचमुच याद है तो पाप भस्म होते हैं। यहां तो पुरुषार्थ करते हैं। यह शरीर यह पुरानी दुनिया छोड़ बाप के पास जाना है ऐसे घर में भी पुरुषार्थ करते रहते वापस जावें। अभी कोई जावेंगे नहीं। अगर कोई इसे शरीर छोड़ तो फिर वापस आ जावेंगे। अच्छा बच्चों को गुडमार्निंग और नमस्ते।

शिव बाबा और दादा याद है?